

भारत

Posted at: May 31 2021 7:53PM



## साहित्य अकादमी हाल ही में दिवंगत हुए साहित्यकारों पर फिल्मों का प्रसारण करेगी



### साहित्य अकादेमी

नई दिल्ली, 31 मई ( वार्ता) साहित्य अकादमी हाल ही में दिवंगत हुए प्रख्यात साहित्यकारों पर पांच दिन फिल्मों का प्रसारण अपने यूट्यूब और फेसबुक चैनल पर स्मृति शीर्षक से कर रही है। इन वृत्तचित्र फिल्मों का प्रसारण 1 जून से 5 जून के बीच में सायं 4 बजे किया जाएगा। इसमें शामिल लेखक हैं \_ शंख घोष, मनोज दास, सुगाता कुमारी, रेवा प्रसाद द्विवेदी और चंद्रनाथ मिश्र अमर।

साहित्य अकादमी के सचिव के.श्रीनिवासराव ने बताया कि ये सभी वे लेखक हैं जो हाल ही के दिनों में कोरोना

महामारी आदि के चलते हमारे बीच नहीं रहे हैं। इन सब की स्मृति को नमन करने के लिए इन वृत्तचित्र फिल्मों को प्रसारित करने का निर्णय लिया गया है जिससे उनके हजारों पाठक उनके बारे में और विस्तार से जान सकें।

# दिवंगत साहित्यकारों पर वृत्तचित्र फिल्मों का प्रसारण आज से

नई दिल्ली (एसएनबी)। साहित्य अकादमी हाल में दिवंगत हुए प्रख्यात साहित्यकारों पर पांच फिल्मों का प्रसारण अपने यूट्यूब और फेसबुक चैनल पर 'स्मृति' शीर्षक से कर रही है। इन वृत्तचित्र फिल्मों का प्रसारण एक जून से 5 जून के बीच शाम 4 बजे किया जाएगा। स्मृति शीर्षक के तहत शंख घोष, मनोज दास, सुगाता कुमारी, रेवा प्रसाद द्विवेदी और चंद्रनाथ मिश्र 'अमर' जैसे साहित्यकारों पर बनी फिल्में (वृत्त चित्र) दिखाई जाएंगी। यह जानकारी साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने दी है। उन्होंने बताया कि यह सभी वह लेखक हैं, जो हाल ही के दिनों में कोरोना महामारी से हमारे बीच नहीं रहे। इन सबकी स्मृति को नमन करने के लिए इन वृत्तचित्र फिल्मों को प्रसारित करने का निर्णय लिया गया है, ताकि उनके हजारों पाठक उनके बारे में और विस्तार से जान सकें।

नई दिल्ली, 31 मई (हि.स.)। साहित्य अकादेमी हाल ही में दिवंगत हुए प्रख्यात साहित्यकारों पर पांच दिन फिल्मों के प्रसारण का कार्यक्रम अपने यूट्यूब और फेसबुक चैनल पर 'स्मृति' शीर्षक से आयोजित कर रही है। इन वृत्तचित्र फिल्मों का प्रसारण 1 से 5 जून के बीच में सायं 4 बजे किया जाएगा।

साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने सोमवार को बताया कि साहित्यकार शंख घोष, मनोज दास, सुगाता कुमारी, रेवा प्रसाद द्विवेदी और चंद्रनाथ मिश्र 'अमर' हाल ही के दिनों में कोरोना महामारी आदि के चलते हमारे बीच नहीं रहे हैं। इन सबकी स्मृति को नमन करने के लिए वृत्तचित्र फिल्मों को प्रसारित करने का निर्णय लिया गया है, जिससे उनके हजारों चाहने वाले उनके बारे में और विस्तार से जान सकें।